Nai Dunia (Indore), 13th February 2023, Page – 02

आइआइटी और आइआइएम सुलझाएंगे उद्योगों की समस्या

- आइआइटी उद्योगों में जाकर उनकी मदद करने के लिए तैयार
- चुनौतियों से उद्योग कैसे निपटें, इसे लेकर शोध कर रहा है आइआइएम

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) और भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) इंदौर ने उद्योगों को गति देने के लिए कमर कस ली है। कुछ दिन पहले आइआइटी ने उद्योग संचालकों के साथ बैठक की थी और इसमें तय किया था कि आइआइटी उद्योगों को तकनीकी, उत्पाद बनाने से लेकर कई कार्यों में मदद करेगा। अगर किसी उद्योग में जाकर समस्या का समाधान करना हो तो इसके लिए भी संस्थान के प्रोफेसर जाएंगे। आटोमोबाइल के क्षेत्र में आइआइटी इंदौर पहले से पीथमपुर के उद्योगों के साथ मिलकर शोध कार्य करता रहा है। संस्थान वाहनों की विभिन्न तकनीक को बेहतर करने के लिए कार्य कर चुका है। आइआइएम इंदौर भी शोध कर रहा है कि कैसे कोरोना महामारी जैसी आगामी चुनौतियों में उद्योगों की स्थिति बेहतर बनी रह सके।

आइआइटी इंदौर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग ने भी हाल ही में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) के साथ समझौता किया था। इसके तहत मध्य भारत में कहीं भी सड़क सुरक्षा के उपाय हों या सड़कों की गुणवत्ता, इसे संस्थान बेहतर करने में योगदान देगा। इसके साथ ही आइआइटी इंदौर महू आर्मी कालेज, आइआइएम इंदौर और आरआरकैट के साथ मिलकर भी कई कार्य कर रहा है। कोरोना महामारी में संकट के समय भी संस्थान ने अपने साधन शोध के लिए सबको उपलब्ध कराए थे और इंदौर प्रशासन को भी कोरोना जांच के लिए कुछ उपकरण दिए थे।

संस्थान में इंडस्ट्रीयल रिसर्च पार्क स्थापित किया गया है। उद्योगों को तकनीकी और अन्य सुविधाएं दी जा रही हैं। हमने इंदौर, पीथमपुर और देवास के उद्योग संचालकों के साथ कहा है कि आवश्यकता पड़ी तो संस्थान उन्हें पूरी मदद करेगा।

– सुनील कुमार, सूचना अधिकारी, आइआइटी इंदौर

हम कई तरह की योजनाओं पर कार्य कर रहे हैं। इसमें बड़े उद्योग हों या छोटे सभी के लिए सलाह और उनकी गुणवत्ता को बेहतर करने में योगदान दे रहे हैं। कुछ संस्थानों के साथ मिलकर शोध कर रहे हैं कि महामारी भविष्य में आती है तो उद्योग कैसे सुरक्षित रह सकते हैं।

– प्रो. हिमांशु राय, निदेशक, आइआइएम इंदौर